Result Mitra Daily Magazine

G–20 द्वारा भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन का गठन

❖ चर्चा में क्यों ?

- हाल ही में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में आयोजित G–20 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भूख और गरीबी के खिलाफ वैश्विक गठबंधन (Global Alliance against Hunger and P) की आधिकारिक शुरुआत की गई।
- वर्ष 2024 में G–20 की अध्यक्षता के दौरान ब्राजील द्वारा समर्थित यह गठबंधन भूख और गरीबी उन्मूलन के लिए लक्षित सार्वजनिक नीतियों के साथ सहायता की आवश्यकता वाले देशों को जोड़ने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करेगा, जिसके लिए इसमें भागीदार देश विशेषज्ञता या वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे।

❖ गठबंधन एक आवश्यकता :

- वर्ष 2015 में संयुक्त राष्ट्र के सभी 193 सदस्य देशों ने सतत विकास के लिए 2030 एजेंडा को अपनाया।
- इस एजेंडा का मुख्य उद्देश्य वर्ष 2030 तक गरीबी और भुखमरी को समाप्त करने के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा और बेहतर पोषण प्राप्त करना था।
- हालांकि कोविड-19 महामारी के कारण इस एजेंडे में कोई व्यापक प्रगति नहीं हो पाई बल्कि गरीबी और बढ़ गई खासकर वैश्विक दक्षिण (Global South) में पोषण मानकों में और गिरावट आ गई।

- कोविड-19 महामारी के बाद विभिन्न वैश्विक संघर्षों में वृद्धि एवं जलवायु परिवर्तन के हानिकारक प्रभावों के साथ-साथ वैश्विक आधार पर आर्थिक सुधारों की असमानता ने भुखमरी और गरीबी के खिलाफ लड़ाई को और अधिक कमजोर कर दिया।
- गरीबी और भुखमरी मिटाने के लिए बनाई गई इस वैश्विक गठबंधन के ऐलान के दौरान कहा गया कि वर्तमान अनुमानों से संकेत मिलता है कि वर्ष 2030 तक वैश्विक स्तर पर 622 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी रेखा से नीचे रहेंगे।
- इसके अलावा इसमें कहा गया कि अगर ऐसी स्थिति बनी रही तो वर्ष 2030 तक लगभग 582 मिलियन लोग भूख से पीड़ित होंगे, जो वर्ष 2015 के वैश्विक भूख के आंकड़े के बराबर है।

❖ यह गठबंधन कैसे काम करेगा ?

- ब्राजील के राष्ट्रपति लूला डी सिल्वा के अनुसार भूख और गरीबी के खिलाफ इस वैश्विक गठबंधन में भारत सहित विश्व के 81 देशों के अलावे 36 अंतरराष्ट्रीय संगठन, 9 वित्तीय संस्थान और 31 परोपकारी फाउंडेशन और गैर–सरकारी संगठन इस गठबंधन में पहले ही शामिल हो चुके हैं।
- ये सारे संगठन एवं देश गठबंधन देशों को भूख और गरीबी उन्मूलन के उद्देश्य से एक–दूसरे की सार्वजनिक नीतियों का समर्थन करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।
- इस वैश्विक गठबंधन ने एक साक्ष्य आधारित नीति की पहचान की है, जिसमें 50 से अधिक नीति उपकरण शामिल है।
- इस गठबंधन के तहत छह "स्प्रिंट्स 2030" तय की गई है, जिसमें सबसे कमजोर लोगों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए लक्ष्य उन्मुख पहल की जाएगी।
- इन छह विशेष महत्व के "स्प्रिंट्स 2030" में स्कूल का भोजन, नकद हस्तांतरण, पारिवारिक खेती सहायता कार्यक्रम, सामाजिक–आर्थिक समावेशन कार्यक्रम, एकीकृत माह एवं प्रारंभिक बचपन हस्तक्षेप एवं जल पहुंच समाधान शामिल है।
- गरीबी एवं भुखमरी उन्मूलन के लिए चलाई जा रही अन्य पहलों के विपरीत यह गठबंधन किसी विशेष फंड का दावा नहीं करता है बल्कि यह वैश्विक गठबंधन जरूरतमंद देशों को प्रेरित दाताओं (Doner) और तकनीकी सहायता से गरीबी एवं भुखमरी उन्मूलन में भूमिका निभाने की कल्पना करता है।
- हालांकि इस वैश्विक गठबंधन के संचालन के लिए आवश्यक सालाना 2–3 मिलियन डॉलर की आवश्यकता की पूर्ति इसके सदस्य देशों, खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO), यूनिसेफ और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं से आएगी।

Result Mitra

- ऐसा माना जा रहा है कि इस वैश्विक गठबंधन का कार्यालय ब्रासीलिया या किसी अन्य वैश्विक दक्षिण (Global South) देशों में हो सकता है।

❖ G–20 :

- G–20 यानि ग्रुप ऑफ़ ट्वेंटी विश्व की 20 सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है, जो एक अंत: सरकारी मंच है।
- G–20 समूह में 20 देश सहित अफ्रीकी संघ और यूरोपीय संघ शामिल है।
- 1999 में गठित G–20 व्यापार, स्वास्थ्य, जलवायु और अन्य मुद्दे पर वैश्विक नीति का समन्वय करने के लिए काम करता है।
- G–20 का पहला वार्षिक शिखर सम्मेलन 2008 में शुरू हुआ।
- वर्ष 2023 में इस गठबंधन में अफ्रीकी संघ सबसे नए सदस्य के रूप में शामिल हुआ।
- G–20 के सदस्य देशों में अर्जेंटीना, ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, भारत, जर्मनी, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मेक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यूके और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल है।

Result Mitra